शुष्क वन अनुसन्धान, जोधपुर

शुष्क वन अनुसन्धान, जोधपुर द्वारा 72 वां वन महोत्सव समारोह आद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.), जोधपुर के प्रांगण में 19 जुलाई 2021 को आफरी निदेशक श्री मानाराम बालोच, भा.व.से. की अध्यक्षता में मनाया गया । कार्यक्रम के सह-अध्यक्ष श्री इन्द्रा राम गेंवा, प्रिंसिपल आई.टी.आई., जोधपुर थे । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रो.(डा.) अरविन्द परिहार से.नि. प्रभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, जे.एन.वी.यू. जोधपुर, विशिष्ट अतिथि, श्री आशीष वर्मा, मीडिया व संचार अधिकारी, जोधपुर, विशिष्ट अतिथि, श्री धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, उपनिदेशक, कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, जोधपुर एवं संयोजक, श्रीमती अनीता, आई.एफ.एस., प्रभागाध्यक्ष, विस्तार, आफरी, जोधपुर रहे । कार्यक्रम का शुभारम्भ पौधरोपण से हुआ । आई.टी.आई. प्रांगण में आफरी निदेशक, मुख्य अतिथि एवं अन्य महानुभावों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बिल्वपत्र का पौधा लगाया गया । इस अवसर पर उपस्थित आफरी/आई.टी.आई. के विभिन्न अधिकारीयों, वैज्ञानकों एवं विद्यार्थियों द्वारा नीम, बिल्वपत्र, चंपा, कनेर, कसोद, गुलमोहर एवं शीशम प्रजातियों के लगभग 60 पौधें लगाये गएँ।

पौधरोपण के पश्चात आई.टी.आई. के प्रिंसिपल श्री इन्द्रा राम गेंवा द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया गया । अपने स्वागत संबोधन में श्री गेंवा ने परिसर में लगाये पौधों की देख-रेख एवं रक्षा का आश्वासन देते हुए पौधारोपण में महत्त्व पर प्रकाश डाला । विशिष्ट अतिथि, श्री धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने भाषण में कहा कि पौधे लगाने के बाद उनका पालन-पोषण बच्चों की भांति ही किया जाना चाहिए, ये ही हमारे जीवन का आधार है । आफरी संस्थान के डॉ. जी.सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समूह समन्वयक (शोध) ने अपने संबोधन में सामजिक वानिकी एवं साझा वन प्रबंधन नीतियों की जानकारी देते हुए पौधारोपण के महत्त्व को बताया । मुख्य अतिथि श्री प्रो.(डा.) अरविन्द परिहार ने मानव सभ्यता की शुरुआत से मौर्यकाल, गुप्तकाल, मुगलकाल एवं वर्तमान समय तक वृक्षों के महत्त्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि सिन्धु घाटी जैसी विकसित सभ्यता का अतं भी वृक्षों के अत्यधिक दोहन से होने के प्रमाण है । उन्होंने आध्यात्मिक क्षेत्र से लेकर सरकार की विभिन्न वन नीतियों के बारे में रोचक जानकारी दी ।

कार्यक्रम के अगले क्रम में पर्यावरण और वानिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्री महिपाल बिश्नोई, श्री. गंगाराम और श्री लक्ष्मण मेघवाल (आफरी) श्रीमती आरती भाटिया, स्कूल व्याख्याता, श्री मदन लाल चौधरी (आईटीआई), श्री विनोद रांका एवं और श्री नारायण राम मेघवाल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आफरी के निदेशक श्री एम.आर. बालोच ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया की वन महोत्सव क्यों मनाया जाता हैं और इसका क्या महत्त्व है । श्री बालोच ने राष्ट्रीय वन नीति एवं भौगोलिक परिवेश के बारे में बात करते हुए जानकारी दी कि देश का कम से कम 33 प्रतिशत भभूाग वनों से आच्छादित होना चाहिए लेकिन हमारे देश में मात्र 24 प्रतिशत क्षेत्र ही वन आच्छादित है । इसलिये उन्होंने हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ लगाने और उसकी सुरक्षा के लिए आव्हान किया ।

कार्यक्रम के अतं में विस्तार विभाग की प्रभागाध्यक्ष एवं वन महोत्सव की संयोजक श्रीमती अनीता द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया । कार्यक्रम का संचालन विस्तार विभाग की श्रीमती कुसुम परिहार द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम के संयोजन में डॉ. बिलास सिंह, श्री अनिल सिंह चौहान, श्री धानाराम, श्री कैलाश शर्मा का योगदान रहा । श्री महिपाल बिश्नोई, श्री सादुल राम देवड़ा एवं श्री कान सिंह राठौड़ का पौधरोपण कार्य में विशेष सहयोग रहा । कार्यक्रम का मीडिया कवरेज अधिकरी डॉ. नवीन कुमार बोहरा द्वारा किया गया ।

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00 बजे
आयोजक
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00 बजे
आयोजक
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोध

महोत्सव

महोत्सव
आई.टी.आई.,जोधपुर
प्रातः 10.00 बजे

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर
ई 2021 प्रात: 10.00 बजे

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00 बजे
आयोजक
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

वन महोत्सव

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00 बजे
आयोजक
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00 बजे
आयोजक
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,जोधपुर
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00 बजे
आयोजक

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00
आयोजक

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.
आयोजक
अनुसंधान संस्था

वन महोत्सव
आयोजन स्थल : आई.टी.आई.,
19 जुलाई 2021 प्रातः 10.00 बजे
वन अनुसंधान

आफरी ने किया वन महोत्सव का आयोजन

जोधपुर (जोधपुर एक्सप्रेस न्यूज)। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा आज आईटीआई, जोधपुर में वन महोत्सव 2021 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आफरी निदेशक एम.आर. बालोच (भावसे) ने कहा कि हमारे देश मे वन आच्छादित क्षेत्र लगभग 21 प्रतिशत है तथा ट्री कवर लगभग 3 प्रतिशत है, जो वन क्षेत्र से बाहर है तथा इस प्रकार लगभग 24 प्रतिशत क्षेत्र देश के भौगोलिक क्षेत्र का वन क्षेत्र वर्तमान मे उपलब्ध है, जबकि राष्टीय वन नीति के तहत् कम से कम देश के भोगोलिक स्तर का 33 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित होना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य आतिथि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, इतिहास विभाग के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. अरविन्द परिहार ने इतिहास को विज्ञान से जोड़ते हुए मानव के विकास काल एंव पौधो की महत्ता के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उपनिदेशक कौशल नियोजन एंव उद्यमिता विभाग धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने जीवन का अस्तित्व बचाने के लिए वृक्षारोपण की उपयोगिता पर अपना संबोधन दिया। विशिष्ट अतिथि मीडिया एंव संचार अधिकारी आशीष वर्मा ने पौधारोपण एंव आमजन के सम्बन्धों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के सहअध्ययन प्रिसिपल आई. टी. आई, जोधपुर इजी. इन्द्राराम गैवा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कुसम परिहार ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कृषि वानिकी एंव विस्तार प्रभाग की प्राभागाध्यक्ष श्रीमती अनिता भावसे ने किया।

...नर्मदा मेहता ने इन दिनों मे बालिकाओं को स्वच्छता एवं संक्रमण के बारे में जागरूक किया। सचिव टोनीका ने नारी दशा को सुधारने व नई दिशा देने का संकल्प लिया।

बैठक में जालोर तहसीलदार मादाराम मीणा, पुलिस कोतवाली निरीक्षक लक्ष्मणसिंह, पहाडु खां खेजरला, मजुभाई उर्फ मुजफर अली, आमीन खां सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे पक्षियों को दाना गौ माता को गुड़ व हरा चारा खिलाया गया साथ ही वृक्षारोपण भी किया गया। पचपदरा मंडल अध्यक्ष डूंगरराम देवासी द्वारा जन्मदिन

परमार, महामंत्री सुखदेव जीनगर, उमेश सोनी, पप्पू विश्नोई, नरपतसिंह राजपुरोहित, केवलचंद मेघवाल, गौतम चंदेल, राजेश सांखला, किशोर जीनगर आदि मौजूद थे।

आफरी के वन महोत्सव में पौधों की देखभाल के प्रति जागरूक किया

जोधपुर(नसं)। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) द्वारा आज आईटीआई, जोधपुर में वन महोत्सव 2021 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आफरी निदेशक एम. आर. बालोच (भावसे) ने कहा कि हमारे देश मे वन आच्छादित क्षेत्र लगभग 21 प्रतिशत है तथा ट्री कवर लगभग 3 प्रतिशत है] जो वन क्षेत्र से बाहर है तथा इस प्रकार लगभग 24 प्रतिशत क्षेत्र देश के भौगोलिक क्षेत्र का वन क्षेत्र वर्तमान मे उपलब्ध है जबकि राष्ट्रीय वन नीति के तहत् कम से कम देश के भोगोलिक स्तर का 33 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित होना चाहिए। बालोच ने वन प्रंबधन एंव वन नीतियो से संम्बन्धित प्रावधानों के बारे मे विस्तार से बताते हुए आमजन से अधिकाधिक पौधारोपण करने एंव उनकी देखभाल करने ...किया। उन्होने जैविक खेती, कृषि

की महत्ता प्रतिपादित की।कार्यक्रम के मुख्य आतिथि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (इतिहास विभाग) के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. अरविन्द परिहार ने इतिहास को विज्ञान से जोड़ते हुए मानव के विकास काल एवं पौधों की महत्ता के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए वर्तमान परिस्थितियों मे अधिकाधिक पौधोरोपण की महत्ता प्रतिपादित की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उपनिदेशक कौशल नियोजन एंव उद्यमिता विभाग धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने जीवन का अस्तित्व बचाने के लिए वृक्षारोपण की उपयोगिता पर अपना संबोधन दिया।

विशिष्ट अतिथि मीडिया एंव संचार अधिकारी आशीष वर्मा ने पौधारोपण एंव आमजन के सम्बन्धों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा कोविड काल मे पौधों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सहअध्ययन प्रिसिपल आई. टी. आई, जोधपुर इजी इन्द्राराम गैवा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि परिसर मे वि... रोपे पौधे स्वस्थ ए... जीवित है ...जि... वाले पौधो की पूर्णरूप से देख... जाएगी। कार्यक्रम का संचालन कुसम परिहार ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कृषि वानिकी एंव विस्तार प्रभाग की प्राभागाध्यक्ष श्रीमती अनिता भावसे ने कि... कार्यक्रम मे आफरी एवं आई. टी. आई. अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जालोर की 15 स...

जीवन का अस्तित्व बचाने के लिए पौधरोपण जरूरी

आफरी का वन महोत्सव

जोधपुर/नवज्योति। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा आईटीआई, जोधपुर में वन महोत्सव 2021 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आफरी निदेशक एम. आर. बालोच भावसे ने कहा कि हमारे देश में वन आच्छादित क्षेत्र लगभग 21 प्रतिशत है तथा ट्री कवर लगभग 3 प्रतिशत है। जो वन क्षेत्र से बाहर है तथा इस प्रकार लगभग 24 प्रतिशत क्षेत्र देश के भौगोलिक क्षेत्र का वन क्षेत्र वर्तमान में उपलब्ध है, जबकि राष्ट्रीय वन नीति के

क्षेत्र वनों से आच्छादित होना चाहिए। बालोच ने वन प्रबंधन एंव वन नीतियो से सम्बन्धित प्रावधानों के बारे मे विस्तार से बताते हुए आमजन से अधिकाधिक पौधारोपण करने एंव उनकी देखभाल करने का आहान किया। उन्होंने जैविक खेती, कृषि वानिकी एंव

विश्वविद्यालय, इतिहास विभाग के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. अरविन्द परिहार ने इतिहास को विज्ञान से जोड़ते हुए मानव के विकास काल एंव पौधों की महत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए वर्तमान परिस्थितियों मे अधिकाधिक पौधोरोपण की महत्ता प्रतिपादित की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उपनिदेशक कौशल नियोजन एंव उद्यमिता विभाग धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने जीवन का अस्तित्व बचाने के लिए वृक्षारोपण की उपयोगिता पर अपना संबोधन दिया। विशिष्ट अतिथि मीडिया एंव